



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 429]

नई दिल्ली, ~~शुक्रवार~~, दिसम्बर 8, 2008/अग्राहायण 17, 1930

No. 429]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 8, 2008/AGRAHAYANA 17, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 2008

विषय : चीन जन. गण., में मूल के या वहाँ से निर्यातित भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के उपयोग में आने वाले फ्रंट एक्सल बीम और स्टियरिंग नकल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करना ।

सं. 14/19/2008-डीजीएडी.—मै. भारत फोर्ज लि., पुणे ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित “ भारी एवं मध्यम वाणिज्यिक वाहनों हेतु आशयित फ्रंट एक्सल बीम और स्टियरिंग नकल ” (जिन्हें एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करने का अनुरोध किया गया है ।

और यतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है, अतः प्राधिकारी आरोपित पाटित की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे वसूल किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को सामाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की एतद्वारा जाँच शुरू करते हैं ।

घरेलू उद्योग

2. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. भारत फोर्ज लि., पुणे ने टी पी एम सॉलिटीटर्स एंड कन्सल्टेंट, नई दिल्ली के माध्यम से प्रस्तुत किया है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार आवेदकों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) एवं नियम 5 (3)(क) के अनुसार पाटनरोधी जाँच हेतु आवेदन प्रस्तुत करने का “अधिकार” है।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों के निम्नलिखित हिस्से एवं उपसाधन, चाहे वे फोर्ज्ड एवं/अथवा यंत्रीकृत हो, हैं :-

- (क) फ्रंट एक्सल बीम
- (ख) स्टियरिंग नकल (जिसे एक्सल आर्म अथवा स्टब एक्सल भी कहा जाता है)

इन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है।

फ्रंट एक्सल बीम (एफ ए बी) एक महत्वपूर्ण सुरक्षा मद है और यह वाहन का भार उठाता है एवं स्टियरिंग को अपने स्थान पर बनाए रखता है।

स्टियरिंग नकल (एस के) एक अत्यंत महत्वपूर्ण संघटक है, जो वाहन के स्टियरिंग को नियंत्रित करता है।

4. विचाराधीन उत्पादों का आयात निम्नलिखित सीमाशुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत किया जा सकता है:-

उत्पाद	सीमाशुल्क वर्गीकरण
फ्रंट एक्सल बीम	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
स्टियरिंग नकल	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और विचाराधान उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तुएं

5. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और चीन जन गण से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई उल्लेखनीय भिन्नता नहीं है। याचिकाकर्ता के अनुसार भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक एवं रासायनिक/यांत्रिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्यो एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, मूल्य निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में परस्पर तुलनीय है। दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है और उपभोक्ता दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर करते हैं। इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा

उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जनवादी गणराज्य (जिसे चीन जन गण भी कहा गया है) है।

सामान्य मूल्य

7. आवेदक ने प्रस्ताव किया है कि चीन जन गण एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था होने के कारण सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 की शर्तों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है। आवेदक ने यूरोपीय संघ को समुचित सहोदर देश माना है। आवेदक ने सामान्य मूल्य का दावा (क) यूरोप में कीमत, और (ख) यूरोप में लागत (समुचित लाभ जोड़ने के बाद) के आधार पर किया है। विकल्प के तौर पर आवेदक ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत में विधिवत समायोजित कीमत पर भी विचार किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण तदनुसार किया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स के लिए अलग-अलग किया गया है। संबंधित निर्यात कीमतों से इनकी तुलना के लिए इनका निर्धारण फोर्ज्ड तथा यंत्रीकृत उत्पादों के लिए अलग-अलग किया गया है।

निर्यात कीमतें

8. आवेदक ने निर्यात कीमतों का निर्धारण आई बी आई एस द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर किया है। निर्यात कीमतों में समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमे, कमीशन, पत्तन प्रहस्तन, अंतर्देशीय परिवहन तथा बैंक कमीशन का समायोजन किया गया है। निर्यात कीमतों का निर्धारण फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स के लिए अलग-अलग किया गया है। संबंधित निर्यात कीमतों से इनकी तुलना के लिए इनका निर्धारण फोर्ज्ड तथा यंत्रीकृत उत्पादों के लिए अलग-अलग किया गया है।

पाटन मार्जिन

9. इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि संबद्ध देश में प्रत्येक संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य उसकी निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जो प्रथम दृष्ट्या इंगित करता है कि निर्यातकों द्वारा संबद्ध देश से प्रत्येक संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है। पाटन मार्जिन का निर्धारण फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स के लिए अलग-अलग किया गया है। इसके अलावा इन पाटन मार्जिनों का निर्धारण फोर्ज्ड तथा यंत्रीकृत प्रकारों के लिए अलग-अलग किया गया है और तत्पश्चात विचाराधीन उत्पाद के लिए भारित औसत पाटन मार्जिनों का निर्धारण किया गया है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

10. आवेदक ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति का दावा करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किया है। फ्रंट एक्सल बीम तथा स्टियरिंग नकल्स के लिए अलग-अलग सूचना उपलब्ध कराई गई है। आयातों में निरपेक्ष रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत के संदर्भ में वृद्धि हुई है। आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। आवेदक ने बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, कीमत में मंदी, लाभ एवं नियोजित पूंजी से आय के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आने का दावा किया है। आवेदक ने पाटित आयातों की वृद्धि की दर अत्यधिक होने के कारण वास्तविक क्षति के खतरे का दावा किया है और आयातों के उल्लेखनीय रूप से बढ़ने, घरेलू एवं आयातित उत्पाद के बीच उल्लेखनीय कीमत अंतर होने की संभावना के कारण इंगित किया है कि आयातों के कारण घरेलू कीमतों में मंदी और दबाव का उल्लेखनीय प्रभाव होगा और आयातों की मांग और भी बढ़ने की संभावना है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण आवेदक को हुई क्षति के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध है जो इस जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करता है।

जांच की अवधि (पीओआई)

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 01 अप्रैल, 2008 से 30 सितम्बर, 2008 तक है। तथापि, क्षति संबंधी जांच की अवधि में अप्रैल, 2005 - मार्च, 2006; अप्रैल, 2006 - मार्च, 2007; अप्रैल, 2007 - मार्च, 2008 और जांच अवधि (पीओआई) शामिल होगी। इस तथ्य को देखते हुए कि उत्पादों का पाटन 2007-08 में शुरू हुआ है, प्राधिकारी छह माह की अवधि को “जांच अवधि” मानना उपयुक्त समझते हैं।

सूचना प्रस्तुत करना

12. संबद्ध देशों के निर्यातकों और भारत में उनके अपने-अपने दूतावासों के जरिए उनकी सरकार, संबद्ध समझे जाने वाले, भारत में आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित विधि और पद्धति से समस्त सूचना प्रस्तुत कर सकें। वर्तमान जांच में भाग लेने की इच्छुक कोई अन्य पार्टी निम्नलिखित को लिख सकती है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

कमरा सं. 240

उद्योग भवन, नई दिल्ली- 110011

समय सीमा

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जानी चाहिए ताकि उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों से अनधिक अवधि के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

14. नियम 7 के अनुसार इच्छुक पार्टियों के लिए प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाली पार्टी की राय में ऐसी सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो उसके कारण दर्शाने वाला एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

15. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पार्टी अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है।

16. यदि कोई हितबद्ध पार्टी सूचना जुटाने से इंकार करती है, अथवा अन्यथा उचित अवधि के भीतर अन्यथा आवश्यक सूचना प्रस्तुत नहीं करती है अथवा जांच में काफी बाधा डालती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 8th December, 2008

Subject: Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Front Axle Beam and Steering Knuckle meant for heavy and medium commercial vehicles originating in or exported from China PR.

No. 14/19/2008-DGAD.—M/s Bharat Forge Ltd., Pune have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning

4812 GT/08-2

alleged dumping of 'Front Axle Beam and Steering Knuckle meant for heavy and medium commercial vehicles' originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient evidence of dumping of subject goods by the subject country, injury to the domestic industry and causal link between dumping and injury exist to justify initiation of an investigation, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry

2. Application has been filed by M/s Bharat Forge Ltd., Pune through TPM Solicitors & Consultants, New Delhi on behalf of the domestic industry. As per the evidence available, applicants have the 'Standing' to file the application for anti-dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Products under consideration

3. The products under consideration are following parts and accessories of medium and heavy commercial vehicles, whether forged and/or machined: -

- (a) Front axle beam
- (b) Steering knuckle (also known as axle arm or stub axle)

The above is also referred to as subject goods hereinafter.

Front Axle Beam (FAB) is a safety critical item and carries the load of the vehicle and also keeps the steering in place.

Steering knuckle (SK) is a very critical component controlling the steering of the vehicle.

4. The products under consideration can be imported under the following Customs classifications:

Product	Customs Classification
Front Axle Beam	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900
Steering Knuckle	73269099, 73261910, 73261990, 87085000, 87089900

The customs classifications are indicative only and are not binding on the scope of the products under consideration.

Like Articles

5. Petitioner has claimed that there is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and the subject goods exported from China PR. According to the petitioner, the subject goods produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical/mechanical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and consumers have used the two interchangeably. For the purpose of investigation, the subject goods produced by the applicant is being treated as like articles to the subject goods imported from subject country within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

6. The country involved in the present investigation is the People's Republic of China (also referred to as China PR).

Normal values

7. The applicant has proposed that China PR being a Non Market Economy, the normal value is required to be determined in terms of Para 7 of Annex-I of Anti Dumping Rules. The applicant has considered European Union as an appropriate surrogate country. The applicant has claimed normal value on the basis of (a) price in Europe, and (b) costs in Europe (after addition of reasonable profits). In the alternate, applicant has considered price in India, duly adjusted, to determine normal value. The normal value has been determined accordingly. Normal values have been determined separately for Front Axle Beam and Steering Knuckles. These have been determined separately for forged and machined products for comparison with the relevant export prices.

Export Prices

8. The applicant has determined export prices based on the data compiled by IBIS. The export prices have been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, port handling, inland transportation and bank commission. Export prices have been determined separately for Front Axle Beam & Steering Knuckles. These have been determined separately for forged & machined products for comparison with the relevant normal values.

Dumping margins

9. There is sufficient evidence that the normal values of each of the subject goods in subject country are significantly higher than their net export prices, prima-facie indicating that each of the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country. Dumping margins have been determined separately for Front Axle Beam and Steering Knuckles. Further, these dumping margins have been determined separately for forged and machined types and thereafter weighted average dumping margins have been determined for the products under consideration.

Injury and Causal Link

10. The applicant has furnished evidence claiming injury as a result of alleged dumping. Information has been provided separately for Front Axle Beam and Steering Knuckles. The imports have increased in absolute terms and in relation to production & consumption in India. The imports are undercutting the prices of the domestic industry. The applicant has claimed deterioration in performance of the domestic industry in terms of sales, production, utilization of capacity, market share, price suppression, profit and return on capital employed. The applicant has also claimed threat of material injury in view of significant rate of increase of dumped imports indicating the likelihood of substantially increased importation, significant price difference between the domestic and imported product thus indicating that imports are likely to have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices and would likely increase demand for further imports. There is sufficient evidence of the 'injury' being suffered by the applicant caused by dumped imports from subject country to justify initiation of this investigation.

Period of investigation

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is **1st April 2008 to 30th September 2008**. The injury investigation period will however cover the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the Period of Investigation (POI). In view of the fact that the dumping of the products has commenced in 2007-08, the Authority considers it appropriate to adopt six months as the 'period of investigation'.

Submission of information

12. The exporters in the subject country and their Government through their Embassy in India, importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce
Room No.240, Udyog Bhawan,
New Delhi-110107.

Time limit

13. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

Submission of Information on Non-Confidential basis

14. In terms of Rule 7, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

15. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

16. In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority